अभिज्ञान शाकुन्तलम्

डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

साहित्य संस्थान

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

(क) भूमिका

विषय			पृष्ठ
१—नाटक का महत्त्व	...	...	१
२—संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति	...	...	२
३—नाटक की संक्षिप्त रूपरेखा	...	...	५
४—कालिदास का जीवन-वृत्त तथा उसकी कृतियाँ		...	१०
५—कालिदास का समय	...	...	१२
६—शाकुन्तल की संक्षिप्त कथा	...	...	३७
७—मूलकथा और उसमें परिवर्तन	...	...	४१
८—कालिंदास का शास्त्रीय पाण्डित्य	...	...	४६
९—कालिदास का विविधकला-ज्ञान	...	...	४९
१०—कालिदास की नाट्यकला	...	...	४९
११—शाकुन्तल में रस-निरूपण	...	...	६०
१२—कालिदास का काव्य-सौन्दर्य	...	...	६७
१३—कालिदास की शैली	...	...	७६
१४—प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण	...	...	८६
१५—कालिदास और भवभूति	...	...	९४

(ख) मूलग्रन्थ और अनुवाद

१—प्रथमोऽङ्कः	...	...	१
२—द्वितीयोऽङ्कः	...	...	९०
३—तृतीयोऽङ्कः	...	...	१३३
४—चतुर्थोऽङ्कः	...	...	१८०
५—पञ्चमोऽङ्कः	...	...	२४१

Scanned by TapScanner

विषय

६—षष्ठोऽङ्कः ... ...
७—सप्तमोऽङ्कः ... ...

(ग) परिशिष्ट

१—श्लोकानुक्रमणिका ... ...
२—पारिभाषिक शब्दों के लक्षण ... ...
३—छन्दःपरिचय ... ...
४—शाकुन्तलनाटकान्तर्गत सुभाषित ... ...
५—शाकुन्तल से साम्य वाले अन्य कालिदास के श्लोक ... ...
६—कालिदास-विषयक सूक्तियाँ ... ...
७—संक्षिप्त प्राकृत-व्याकरण ... ...

Scanned by TapScanner